an>

Title: Need to check the illegal deposit schemes being operated in Jalore Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): अध्यक्ष महोदया, चिट फंड घोटाले आजकल हर जगह बहुत उजागर हो रहे हैं। राजस्थान में मेरा क्षेत्र कृषि आधारित क्षेत्र है और वहां किसान और मजदूर बहुत बड़ी संख्या में हैं। वहां वे लोग सौ, दो सौ या पांच सौ रुपये बचाकर क्रेडिट सोसाइटीज में जमा कराते हैं, चूंकि वे बड़े-बड़े होर्डिंग्स देखकर उनसे भ्रमित हो जाते हैं, आए दिन छोटी-छोटी दुकानों में क्रेडिट सोसाइटी के नाम से दुकानें खोली जाती हैं, जिसके अंदर ये बैनर्स लगाये जाते हैं कि आपको हम ढाई साल में तीन गुना देंगे, पांच साल में आपको डेढ़ गुना देंगे और वे बेचारे वहां जाकर अपना पैसा जमा करवा देते हैं। इस चीज पर कोई अंकुश नहीं लगता है। हमारे रानीबाड़ा क्षेत्र में सर्वोदय क्रेडिट सोसाइटी में एक किसान, जिसका नाम दानाराम पाताराम है, उसने वर्ष 2013 में पांच सौ रुपये जमा कराने शुरू किये, जब एक लाख अस्सी हजार रुपये जमा हो गये तो वह पैसा मांगने के लिए गया तो पता चला कि वह क्रेडिट सोसाइटी वाला वहां से गायब हो गया। जब हमने उसकी इंक्वायरी की तो वह करीबन 18 करोड़ रुपये की चपत लगाकर भाग गया।

महोदया, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि जो बड़े-बड़े चिट फंड वाले हैं, उन पर सरकार कहीं न कहीं से कब्जा कर लेती है, लेकिन जो छोटे-छोटे किसानों का पैसा दबोचकर ले जाते हैं, उनके बारे में कुछ नहीं कर पाते हैं। उसका रीजन यह भी है कि अगर वे लोग जाकर एफआईआर कराते हैं तो उनकी एफआईआर पर ध्यान नहीं देते हैं, क्योंकि सेबी अगर एफआईआर करेगी तो सुप्रीम कोर्ट उस पर ध्यान देगा, परंतु अगर गरीब किसान करेगा तो उस पर कोई ध्यान नहीं देगा।

अतः मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जो ऐसी क्रेडिट सोसाइटीज हैं, उनके ऊपर अंकुश लगाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करें और इसमें जो भी आरोपी हैं, उन्हें दबोचकर उन किसानों का पैसा वापिस दिलाया जाए, यही मेरा निवेदन है।

माननीय अध्यक्ष :

डा.किरीट सोलंकी को श्री देवजी एम.पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।